

बीच में कहीं पड़ाव डालने वाला पुं. सब्जी आदि का थोक व्यापारी।

मुकुंद पुं. (तत्.) 1. विष्णु का एक नाम 2. कृष्ण जी को दिया जाने वाला एक संबोधन 3. कुबेर की नौ निधियों में से एक 4. एक विशेष प्रकार का रत्न 5. पारा 6. कुंदरू काव्य. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में तगण, भगण, जगण, गुरु और लघु के योग से 14 वर्ण होते हैं तथा इसमें 8-6 पर यति होती है।

मुकुंदक पुं. (तत्.) 1. प्यास 2. साठी धान।

मुकुटधर/मुकुटधारी पुं. (तत्.) मुकुट को धारण करने वाला (राजा, देव या राक्षस)।

मुकुटकार्षापण पुं. (तत्.) प्राचीन भारत में एक प्रकार का राज-कर जो राजा के मुकुट को बनवाने के लिए लिया जाता है।

मुकुंदा पुं. (तत्.) ऐसा व्यक्ति जिसके दाढ़ी-मूँछ या तो न हो अथवा कम हो, गुप्तरोगी।

मुकु पुं. (तत्.) 1. मोक्ष 2. उत्सर्ग।

मुकुट पुं. (तत्.) एक सुप्रसिद्ध शिरोभूषण जो प्राचीन काल में राजा-महाराजा धारण करते थे, टि. पौराणिक काल में देव-राक्षस भी इसे भिन्न-भिन्न रूप में धारण करते हैं, आज नाट्य प्रदर्शन एवं नृत्य प्रदर्शन के दौरान आवश्यकतानुसार इसे पहना जाता है।

मुकुट्ट पुं. (तत्.) एक प्राचीन जाति का नाम।

मुकुत वि. (तत्.) मुक्त पुं. मोती।

मुकुताफल पुं. (तत्.) मोती।

मुकुताहल पुं. (तत्.) मोती।

मुकुर पुं. (तत्.) 1. दर्पण, आईना, शीशा 2. मौलसिरी 3. कुम्हार का डंडा 4. मल्लिका लता।

मुकुरु वि. (तत्.) मुकरने वाला, बात से पीछे हटने वाला।

मुकुल पुं. (तत्.) 1. कली 2. ऐसी कली जिसका मुँह थोड़ा सा खुल रहा हो 3. शरीर 4. आत्मा।

मुकुलित वि. (तत्.) 1. अधखिला 2. अधमुँदा 3. कली के आकार का बना हुआ 4. विकसित।

मुकुलक पुं. (तत्.) दंती वृक्ष।

मुकुलाग्र पुं. (तत्.) एक प्राचीन अस्त्र जो कली के आकार का होता है।

मुकुली वि. (तत्.) कलियों से युक्त वृक्ष या पौधा।

मुकुष्ठ पुं. (तत्.) मोठ।

मुकेस पुं. (तत्.) दे. मुक्केरा।

मुकैयर वि. (अर.) बंदी बनाया हुआ, कैदी, कारावास में बंद।

मुक्का पुं. (अर.) किसी को मारने के लिए पाँचों उंगलियों को बांधने की क्रिया, घूँसा।

मुक्की स्त्री. (अर.) 1. घूँसेबाजी 2. शरीर का दर्द दूर करने के लिए हल्के-हल्के मुक्के लगाना।

मुक्केबाज पुं. (अर.) 1. घूँसों का प्रहार करके लड़ने वाला 2. मुक्केबाजी की प्रतियोगिता में भाग लेने वाला।

मुक्केबाजी स्त्री. (अर.) मुक्के, घूँसों की लड़ाई प्रयो- सोहन की मुक्केबाजी देख सब दंग रह गए।

मुक्केश पुं. (अर.) 1. सोने-चाँदी की तार 2. सोने-चाँदी के तारों का बना कपड़ा।

मुक्कैशी वि. (तत्.) 1. सोने-चाँदी के तारों का बना हुआ 2. जरीया ताश का बना हुआ।

मुक्ख वि. (तद्.) मुख्य, प्रधान पु. मुख।

मुक्खि पुं. (देश.) एक प्रकार का कबूतर।

मुक्त वि. (तत्.) 1. किसी भी प्रकार के बंधन से मुक्त 2. बंधनों से छूटा हुआ या छोड़ा हुआ 3. सांसारिकता से दूर रहने वाला 4. जिसे किसी नियम या कायदे के पालने से छूट मिली हो 5. जिसने निर्दिष्ट वस्तु को त्याग दिया हो 6. छूटा हुआ 7. जो बंधन से मुक्त हो।

मुक्तकंचुक पुं. (तत्.) वह सर्प जिसने कंचुली त्याग दी हो।